अध्यक्ष महोदय : यह आपने क्या कहा कि समझे नहीं। मैंने उस दिन आप को बुलाया था, मेरे साथ बैठिये, बतलाइये और मैं फिर आप को एश्योर करता हूं—अगर किसी आफिसर ने या किसी मेम्बर स्टाफ ने इस में कोई थोडी बहुत भी कोताही की है, उसको स्पेअर नहीं किया जायेगा। लेकिन इसके लिये कोई प्रापर कोर्स होना चाहिए।

Arrears outstanding against DESU for Supply of Coal

*516. SHRI RAMKANWAR: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether huge amount of money has not been paid by Delhi Electric Supply Undertaking to the Bharat Coking Coal Limited and Coal Mines Authority of India for the coal supplied to DESU; and

(b) if so, the amount of arrears outstanding against the undertaking and the reasons for not making timely payment of the dues?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI K C. PANT): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the House.

(a) Yes, Sir.

(b) The arrears payable by DESU to the suppliers of coal as on 1st December, 1974 are as under:—

(i) M/s. Bharat Coking Coal Limited—Rs 46.62 lakhs.

(ii) M/s. Coal Mines Authority—Rs. 20.49 lakhs.

The reason for delay in payment is the difficult financial position of the undertaking due to revenues not keeping pace with the increasing expenditure and non-recovery of arrears from some of the bulk consumers.

श्री रामकंवर : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हू—डेसू के ऊपर जो कोकिंग कोल का कर्जा चढा है, वह किस तरह से चढ़ गया है ? इन्होंने जो वक्तव्य सभा-पटल पर रखा है उसमें बतलाया है कि कुछ थोक व्यापारियो की रकम की अदायगी न होने की वजह से इतना कर्जा चढा है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या वे थोक व्यापारियों को उधार देते है यदि देते है तो उनके पास इतना रुपया है या नहीं है ? यदि नही है तो इस घाटे को किस तरह से पूरा करेंगे, क्या वे बिजली का रेट बढायेंगे ?

प्रो० सिद्धेश्वर प्रसाद : मैंने जो विवरण सभा पटल पर रखा है उसमे बताया है कि डी० ई०एस०यू० की आर्थिक स्थिति अच्छी नही है और इसलिये इतने बिलो का भुगतान नही कर पा रहे है। माननीय सदस्य ने यह भी पूछा है कि क्या यह अन्डरटेकिंग बिजली की रेट बढाने के बारे मे विचार कर रही है। ऐसा मालूम पडता है कि वह अन्डरटेकिंग चूंकि दिल्ली कोरपोरेशन के अधीन है इसलिए कारपोरेशन इस बात पर विचार कर रहा है।

श्री राम कंवर जो भुगतान नही हुआ है उसका कारण क्या यह है कि बिजली कम्पनी के कर्मचारियो मे कोई तालमेल नही है और कुप्रबध की वजह से यह हो रहा है ? ऐसी कोई शिकायत है ? यदि हा, तो उसको दूर करने का क्या प्रयत्न कर रहे है ?

प्रो० सिद्धेश्वर प्रसाद : तालमेल मे कमी या कुप्रबध के बारे मे कोई शिकायत नही मिली है। लेकिन ऐसा मालूम होता है कि बिजली के उत्पादन के लिये कोयला, तेल या दूसरी चीजो की कीमत बढ गई है और इसके साथ साथ बिजली कर्मचारियों की मजदूरी बढ गई है और डेसू का खर्चा भी बढ गया है लेकिन उसकी आमदनी मे वृद्धि नही हुई है। ऐसा मालूम हुआ है कि कोरपोरेशन डेसू की आमदनी बढ़ाने पर विचार कर रहा है।